

95 पञ्जावली केक दुई) वणील वडी को आवाक  
लगाई गई। वर-वर आवाक लगाने के कारण  
भी वणील वडी आवाक के हाथिटे गरी  
दोरी पर पाउ को अकत हाथी अकत पैवनी  
मे वकारि क किम पाग व) पञ्जावली केवल  
अकार होकर बाकल से वन होकर वकारि  
वणील दुई)

उपखण्ड अधिकारी, दांतारामगढ़